संपादकीय

कश्मीर के नौजवान

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इसे एक स्थानीय नौजवान ने अंजाम दिया। सीआरपीएफ के काफिले पर आत्मघाती हमला करने वाला जैश-ए-मोहम्मद का आतंकवादी आदिल अहमद डार पुलवामा के काकापोरा गांव का रहने वाला था। एक साल पहले वह ग्यारहवीं में था। इससे उसकी उम्र का अंदाजा लगाया जा सकता है।

इस घटना ने 2000 में हुए बादामी बाग अटैक की याद ताजा कर दी, जब एक 17 साल के फिदायीन हमलावर ने विस्फोटकों से भरी मारुति 800 कार आर्मी कैंप में घुसा कर उसे उड़ा दिया। उसके एक साल बाद स्थानीय आतंकियों द्वारा जम्मू-कश्मीर विधानसभा के परिसर के बाहर किए गए एक कार बम विस्फोट में 38 लोग मारे गए थे।

पिछले कुछ समय से आतंकी संगठनों ने स्थानीय कश्मीरी नौजवानों की भर्ती तेज कर दी है। जो नौजवान बंदूक उठाने से हिचकते हैं,उनके हाथ में पत्थर थमा दिया जाता है। खासकर 2016 के बाद इस प्रवृत्ति में उल्लेखनीय तेजी आई है। जानकारों के मुताबिक पिछले साल जम्मू -कश्मीर में 191 स्थानीय युवाओं के विभिन्न आतंकी संगठनों से जुड़ने की सूचना थी। 2017 में इन युवाओं की संख्या 126 दर्ज की गई थी। ज्यादातर युवा हिजबुल मुजाहिदीन और लश्करे तैयबा जैसे संगठनों से जुड़े।

इस ट्रेंड पर नजर रखने वाले लोगों के अनुसार यह धारणा भी खत्म हो गई है कि गरीब और कम पढ़े लिखे युवा आतंकी संगठनों से जुड़ रहे हैं। अब तो अच्छे- खासे परिवारों से ताल्लुक रखने वाले इंजिनियरिंग और मैनेजमेंट की पढ़ाई करने वाले युवा भी उनमें शामिल हो रहे हैं। सैन्य बलों पर पत्थर फेंकने वालों में तो लड़कियां भी शामिल हैं। सोशल मीडिया पर कट्टरपंथी विचारों को फैलाया जा रहा है, जिसकी चपेट में नौजवान आ जाते हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि ऐसे विचार उन्हें प्रभावित क्यों कर रहे हैं? एक फिदायीन में उन्हें अपना हीरो क्यों नजर आता है?

दरअसल राज्य में एक के बाद एक अस्थिर सरकारों के दौर में सामाजिक-आर्थिक विकास की प्रि या मजबूती नहीं पकड़ पाई। आज युवा कश्मीरी न तो कश्मीर के अंदर अच्छे करियर के अवसर देख पा रहे हैं और न ही राज्य के बाहर देश के अन्य हिस्सों में जाकर करियर बनाने की सोच पा रहे हैं।

पढ़ाई, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों में उनकी ऊर्जा के रचनात्मक इस्तेमाल की संभावना भी मौजूदा माहौल में नहीं बन पा रही। जाहिर है, केंद्र सरकार को उनसे संवाद करना होगा। उनकी समस्याओं को समझकर उनके हित में नीतियां बनानी होंगी। ऐसी योजना बनानी होगी कि देश भर में उनकी आवाजाही बढ़े। जैसे भी हो, आम कश्मीरी युवाओं को यह अहसास दिलाना होगा कि सरकार उन्हें अपना मानती है और यह पूरा देश उनका अपना घर है।

कश्मीरी युवाओं को भी समझना होगा कि आतंकवाद से आज तक दुनिया में किसी भी समस्या का हल नहीं निकला है। शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से भी अपनी आवाज उठाई जा सकती है। बेहतर होगा कि वे संवाद का रास्ता अपनाएं।

लाइफ इंश्योरेंस का क्लेम, 30 दिनों में मिल जाएगा पैसा

नई दिल्ली। परिवार की सुरक्षा और विपरीत परिस्थिति में आर्थिक मदद के लिए लाइफ इंश्योरेंस सबसे बेहतर तरीका है. जब किसी परिवार पर आफत टूट पड़ती है तब उस परिवार को इसके जरिए आर्थिक मदद मिलती है. इसमें पॉलिसी धारक की मौत होने पर नॉमिनी को इंश्योरेंस के बदले पैसे मिलते हैं. लेकिन, यहां सवाल उठता है कि क्या आपको इसे क्लेक करने की पूरी प्रक्रिया मालूम है या नहीं. अगर प्रक्रिया आपको मालूम है तो क्लेम करना आसान होता है और काम जल्दी हो जाता है. ऐसे में इस आर्टिकल के जरिए हम आपको लाइफ इंश्योरेंस से जुड़ी सभी बातों को बताएंगे. आपको बताएंगे कि आपको किन-किन पेपर

की जरूरत होती हैं. की टीम ने इस आर्टिकल को विस्तार से लिखा है.

लाइफ इंश्योरेंस क्लेम करने की प्रक्रिया

पॉलिसी धारक की मृत्यु हो जाने पर, आश्रितों को इंश्योरेंस कंपनी को पॉलिसी नंबर, बीमित व्यक्ति का नाम, मौत की तारीख, स्थान और कारण, इत्यादि जैसे विवरणों के साथ एक लिखित सूचना भेजनी चाहिए. इसके लिए आप अपने नजदीकी ब्रांच से सूचना फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं या ऑफिशियल वेबसाइट से इसे डाउनलोड कर सकते हैं.

लाइफ इंश्योरेंस क्लेम से संबंधित दस्तावेज

क्लेम फॉर्म जमा करते समय, डेथ सर्टिफिकेट, बीमित व्यक्ति का आयु प्रमाण, पॉलिसी दस्तावेज, डीड्स ऑफ असाइनमेंट आदि दस्तावेज दाखिल करें. यदि एक पॉलिसी धारक की मौत, लाइफ इंश्योरेंस खरीदने के तीन साल के भीतर हो जाती है तो कुछ अतिरिक्त दस्तावेज भी पेश करने पड़ते हैं. इनमें - अस्पताल का प्रमाणपत्र यदि मृत व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती किया गया था, घटना के दौरान उपस्थित व्यक्ति से दाह-संस्कार या दफन का प्रमाणपत्र, नियोक्ता का प्रमाणपत्र यदि मृत व्यक्ति नौकरी करता था, बीमारी के विवरणों का उल्लेख करते हुए एक मेडिकल अटेंडेंट का प्रमाणपत्र शामिल है.

30 दिनों के भीतर होगा क्लेम का सेटलमेंट

IRDAI के नियमानुसार, बीमा कंपनियों को बीमे की रकमक्लेम करने के तीस दिन के भीतर जारी कर देनी चाहिए. यदि इंश्योरेंस कंपनी को अतिरिक्त छानबीन करने की जरूरत हो तो भुगतान प्रदान करने की प्रक्रिया, क्लेम प्राप्त होने के बाद 6 महीने के भीतर पूरी हो जानी चाहिए.

मारुति सुजुकी ने ग्राहकों की सेहत के लिए उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता मारुति सुजुकी ग्राहकों की सेहत का भी ख्याल रखेगी। इसके तहत उसने अपनी गाड़ियों में हानिकारक पदार्थों का इस्तेमाल सीमित करने का फैसला किया है।

कम करेगी हानिकारक पदार्थों का उपयोग

कंपनी के सीईओ के निची आयुकावा ने इस फैसले की जानकारी दी। आयुकावा ने कहा कि कंपनी ने अपनी गाड़ियों में सीसा (लेड) और पारा (मरकरी) जैसे हानिकारक पदार्थों के उपयोग को सीमित करने का काम शुरू कर दिया है। कंपनी ऐसे उत्पादों का इस्तेमाल करेगी, जिससे वाहन का 90 प्रतिशत रिसाइकल हो सकेगा।

सीसा, क्रोमियम, पारे का होता है इस्तेमाल

सीसा, क्रोमियम, पारा और कैडमियम जैसे अन्य हानिकारक पदार्थों का श्वसन तंत्र समेत शरीर के विभिन्न अंगों पर दुष्प्रभाव पड़ता है। लिहाजा इन पर कंपनियां अंकुश लगा रही है।

वेगनआर से की शुरुआत

कंपनी ने हाल ही में पेश नई वैगनआर में हानिकारक पदार्थों का कम से कम इस्तेमाल किया है। आगे चलकर आने वाले सभी मॉडलों में इस तकनीक का उपयोग किया जाएगा।

स्मार्ट फीचर फोन्स से 3 साल में 28 अरब डॉलर का राजस्व पैदा होगा

नई दिल्ली। स्मार्ट फीचर फोन की बढ़ती बिक्री से अगले तीन सालों में 28 अरब डॉलर के राजस्व के अवसर पैदा होंगे। काउंटरप्वाइंट के एक नए अध्ययन में यह जानकारी दी गई है। काउंटरप्वाइंट के शोध निदेशक नील शाह ने सोमवार को एक बयान में कहा,

साल 2021 के अंत तक दुनिया भर में 30 करोड़ स्मार्ट फीचर फोन की बिक्री होने की संभावना है, जिससे इतना राजस्व पैदा होगा।

साल 2018 में स्मार्ट फीचर फोन्स की मांग में भारत में सबसे बड़ा योगदान दिया था।स्मार्ट फीचर फोन एक डिवाइस है, जो पारंपरिक फीचर फोन के आकार और डिजायन में होता है, लेकिन इसमें एक चिपसेट और ऑपरेटिंग सिस्टम होता है, जो परिष्कृत स्मार्टफोन जैसे फीचर्स प्रदान करता है, जिसमें हाई स्पीड इंटरनेट एक्सेस के साथ ही ऐप्लिकेशन और सेवाओं का पारिस्थितिकी तंत्र शामिल है। काउंटरप्वाइंट रिसर्च के एसोसिएट निदेशक तरुण पाठक ने कहा, 2018 में साल-दर-साल आधार पर स्मार्ट फीचर फोन की वैश्विक मांग में 252 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि कुल फीचर फोन में स्मार्ट फीचर फोन की हिस्सेदारी महज 16 फीसदी रही। पाठक ने कहा, इस मांग में भारत का सबसे बड़ा योगदान है। हालांकि अमेरिका, ब्रिटेन, दक्षिण पूर्व एशिया और अफ्रीका जैसे बाजारों में स्मार्ट फीचर फोन की मांग बढ़ेगी। हमारा अनुमान है कि साल 2021 तक स्मार्ट फीचर फोन की वैश्विक फीचर फोन बाजार में हिस्सेदारी बढ़कर आधी से ज्यादा हो जाएगी।

रेलवे ने फिर रद्द की 400 से ज्यादा ट्रेनें

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने परिचालन कारणों के कारण मंगलवार को 446 ट्रेनों को रद्द कर दिया. जिन ट्रेनों को रेलवे ने रद्द किया है, उनमें ज्यादातर पैसेंजर ट्रेनें हैं. रेलवे की तरफ से कुछ मेल और कुछ एक्सप्रेस ट्रेनों के साथ ही स्पेशल रेलगाड़ियों को भी रद्द करने का फैसला किया गया है. देशभर में रेलवे के विभिन्न जोन में चल रही मरम्मत को पूरा करने के लिए कई जगह पर ट्रैफिक ब्लॉक भी लिए गए हैं. ऐसे में गाड़ियों के

बेहतर परिचालन के लिए इन ट्रेनों को रद्द किया गया है. आप रेलवे की वेबसाइट नेशनल ट्रेन इंक्वारी सिस्टम पर भी रद्द की गई रेलगाड़ियों की सूची जारी की गई है. रेलवे की तरफ से जिन रेलगाड़ियों को रद्द किया गया है उनकी सूची रेलवे की वेबसाइट नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम पर जारी की गई है. वहीं स्टेशनों पर उद्घोषणा के जरिये भी यात्रियों को रद्द गाड़ियों की सूचना दी जा रही है.

भारत घर में सर्वश्रेष्ठ टीम- एरॉन फिंच

ब्रिस्बेन। आस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान एरॉन फिंच ने कहा है कि भारतीय टीम अपने घर में इस समय सर्वश्रेष्ठ टीम है और आस्ट्रेलिया को भारत को उसकी घरेलू परिस्थितियों में हराना है, तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा। आस्ट्रेलिया को अगले सप्ताह भारत का दौरा करना है। दोनों देशों के बीच टी-20 सीरीज की शुरुआत 24 फरवरी से हो रही है।

क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने फिंच के हवाले से लिखा है, वनडे क्रिकेट में वह अपने घर में मौजूदा समय की सर्वश्रेष्ठ टीम है। इसलिए आपको उनके सामने पूरे आत्मविश्वास और सही रणनीति के साथ उतरना होता है। भारत ने बीते महीने ही आस्ट्रेलिया का दौरा समाप्त किया था जहां तीन वनडे मैचों की सीरीज में आस्ट्रेलिया को भारत के हाथों मात खानी पड़ी थी। भारत ने आस्ट्रेलिया को टेस्ट सीरीज में 2-1 से मात दी थी और 71 साल में पहली बार आस्ट्रेलियाई जमीन पर टेस्ट सीरीज जीत इतिहास रचा था। भारत दौरे पर आस्ट्रेलिया पांच वनडे और दो टी-20 मैच खेलेगी।

इसी साल 30 मई से इंग्लैंड में वनडे विश्व कप शुरू हो रहा है। इस विश्व कप से पहले यह भारत की आखिरी सीरीज होगी।

वर्ल्ड कप में पाकिस्तान से मैच न खेले भारतीय टीम- हरभजन सिंह

नई दिल्ली। अनुभवी आफ स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि भारत को पुलवामा आतंकवादी हमले के मद्देनजर आगामी विश्वकप में पाकिस्तान से नहीं खेलना चाहिये. हरभजन ने कहा कि भारत अगर 16 जून को मैनचेस्टर में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच गंवा भी देता है तो भी इतना मजबूत है कि विश्व कप जीत सकता है. उन्होंने कहा ,'भारत को विश्वकप में पाकिस्तान से नहीं खेलना चाहिये. भारतीय टीम इतनी मजबूत है कि पाकिस्तान से खेले बिना भी विश्वकप जीत सकती है.

हरभजन ने कहा, यह कठिन समय है. हमला हुआ है, यह अविश्वसनीय है और बहुत गलत है. सरकार जरूर कड़ी कार्रवाई करेगी. जहां तक क्रिकेट का सवाल है तो मुझे नहीं लगता कि हमें उनके साथ कोई भी संबंध रखना चाहिये वरना ऐसा चलता रहेगा.

आज का राशिफल

मेष: आज आपको कार्यक्षेत्र या दफ्तर में नए कुछ नए अधिकार दिए जा सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी। पुत्र अथवा पुत्री के विवाह का प्रसंग प्रबल होकर फाइनल हो सकता है।

वृषभ: शुक्र सांसारिक सुख भोगों का प्रतिनिधि है, आवश्यक सामान की खरीदारी में शाम तक का समय व्यतीत होगा। घर-परिवार के वृद्धजनों से बहसबाजी में न उलझें।

मिथुन: आज जमीन-जायदाद से संबंधित विवाद में हानि हो सकती है। भौतिक सुख के साधनों की वृद्धि होगी। व्यापार के साझेदारों तथा पत्नी पक्ष से भी पूर्ण सहयोग मिलेगा।

कर्क: आज आर्थिक उन्नति के बहुत सारे अवसर आपको मिलेंगे। उत्तम संपत्ति और बहुत दिनों से रूके धन की प्राप्ति आज होगी। नए संबंधो में स्थायित्व बनेगा।

सिंह: आज आप अपने निकटवर्ती व अन्य लोगों की भावनाओं को पहचानें और उनके अनुसार चलने का प्रयास करें तो आपको आत्मसंतोष होगा।

कन्या: अपने आसपास खुशनुमा माहौल बनाने का प्रयास करें। कार्यालय में अकस्मात कोई नया परिवर्तन आपको आश्चर्य में डाल सकता है।

तुला: आज नए व्यापार के लिए नई योजनाएं बनेंगी। ऋण भार में कमी होगी। संतान पक्ष का पूर्ण सुख व सहयोग प्राप्त होगा। भौतिक साधनों पर व्यय होने का योग है।

वृश्चिक: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। बिजनस के सिलसिले में किसी की सलाह लेने की आवश्यकता पड़ सकती है। दिन के दूसरे भाग में महिला मित्रों के साथ समय व्यतीत होगा।

धनु: आज का दिन मिश्रित फलकारक है। कार्यक्षेत्र में आपके सुझावों का स्वागत होगा। कुछ आवश्यक घरेलू सामान की खरीदारी करनी पड़ सकती है।

मकर: बहन-भाई के विवाह इत्यादि मांगलिक समारोह में शामिल होने का अवसर मिलेगा। कोई पुराना मित्र या रिश्तेदार अचानक आपके सामने आकर खड़ा हो सकता है।

कुंभ: राजनितिक क्षेत्र में सफलता कारक है, सक्रिय राजनीति में भाग लेने का योग बन रहा है। प्रतिस्पर्धा में प्रतिद्वंदी आपके पीछे रह जाएंगे। दिन का उत्तरार्ध भी शुभ व्यय कीर्ति की वृदि कारक है।

मीन: खोया हुआ धन या रूका हुआ पैसा मिल जाएगा। मंत्रणा शक्ति के बल पर किसी कठिन समस्या का समाधान भी हो जाएगा। आपके खर्चे कम हो जाने से आपकी अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। अच्छे वाहन का सुख प्राप्त होगा

दान देने से पहले जरूर ध्यान दें, भूलकर भी न करें इन 5 चीजों का दान

हिन्दू धर्म में पूजा, ध्यान, स्नान और दान का विशेष महत्व होता है। किसी भी धार्मिक अवसर या आयोजन पर गरीबों और असहाय लोगों को दान दिया जाता है।

ऐसी मान्यता है कि दान करने से भगवान की विशेष कृपा प्राप्त होती है। कई बार लोग भूलवश ऐसी चीजों को दान कर देते हैं जिसे नहीं करना चाहिए। ऐसे में कुछ चीजों का दान करने से परहेज करना

चाहिए।

झाड़ू का दान कभी नहीं करना चाहिए क्योंकि झाड़ू दान देने से लक्ष्मीजी रूठ जाती हैं। बिजनेस में नुकसान होता है और घर में रखा पैसा नहीं टिकता।

शास्त्रों में बर्तन के दान देने की मनाही है। स्टील से बने बर्तन का दान करने से घर में सुख-शांति खत्म हो जाती है।

तेल का दान करने से शनिदेव की कृपा मिलती है, लेकिन खराब या उपयोग किया हुआ तेल का दान नहीं करना चाहिए। इससे शनिदेव नाराज होते हैं।

किसी को खाना खिलाना सबसे बडा पुण्य का काम होता है, लेकिन बासी खाना दान करना अशुभ माना जाता है। इससे घर में वाद-विवाद पैदा होता है।

आजकल घर में प्लास्टिक की कई चीजें प्रयोग की जाती हैं, लेकिन कभी भी प्लास्टिक का दान नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से घर की तरक्की में बाधा आती है।

हर्शल गिब्स ने भारत को बताया चैंपियन बनने का दावेदार

केपटाऊन। इंग्लैंड में 30 मई से होने वाला क्रिकेट विश्व कप जैसे-जैसे करीब आ रहा है, वैसे-वैसे इसके विजेता को लेकर अनुमान तेज हो गए हैं. कुछ दिन पहले ही सुनील गावस्कर ने मेजबान इंग्लैंड को विश्व कप जीतने का सबसे बड़ा दावेदार बताया था. उन्होंने अपने दावेदारों की लिस्ट में भारत को दूसरे नंबर पर रखा था. लेकिन दक्षिण अफ्रीका के हर्शेल गिब्स भारत के पूर्व कप्तान गावस्कर से इत्तफाक नहीं रखते. विश्व कप शुरू होने में अब सिर्फ 99 दिन बाकी हैं.

बनाइए अरबी के कबाब

अब तक आपने कई बार अरबी की सूखी और गीली दोनों तरह की सब्जी बनाई होगी, पर क्या कभी बनाए हैं इसके कबाब ?

एक नज़र

रेसिपी विचजीन : इंडियन

कितने लोगों के लिए : 2 - 4

समय : 15 से 30 मिनट

मील टाइप : वेज

आवश्यक सामग्री

एक कटोरी अरबी (उबली हुई)

एक प्याज (बारीक कटा हुआ)

एक हरी मिर्च (बारीक कटी हुई)

एक छोटा टुकड़ा अदरक (कद्दूकस किया हुआ)

लहसुन की 2-3 कलियां

एक छोटा चम्मच जीरा पाउडर

एक छोटा चम्मच चाट मसाला पाउडर

दो बड़ा चम्मच बेसन

दो बड़ा चम्मच ब्रेड म्ब्स

एक बड़ा चम्मच बारीक कटी धनिया पत्ती

नमक स्वादानुसार

तेल तलने के लिए

विधि

- सबसे पहले एक मिक्सर जार में प्याज, धनिया पत्ती, हरी मिर्च, अदरक और लहसुन डालकर पेस्ट बना लें.

- दूसरी ओर एक दूसरे बर्तन में अरबी को अच्छे से मैश कर लें.

- अब अरबी के मिश्रण में तैयार पेस्ट और नमक डालकर मिक्स करें.

- मीडियम आंच में एक पैन में तेल गरम करने के लिए रखें.

- इसी बीच अरबी के मिश्रण के कबाब बनाएं. हथेलियों को चिकना करना न भूलें.

- तेल के गरम होते ही मिश्रण को ब्रेड म्ब्स पर लपेटकर तेल में डालते जाएं.

- कबाब को दोनों साइड से सुनहरा होने तल तल लें.

- तैयार है अरबी के कबाब. हरी चटनी और टोमैटो केचप के साथ सर्व करें.

शब्द सामर्थ्य-83

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

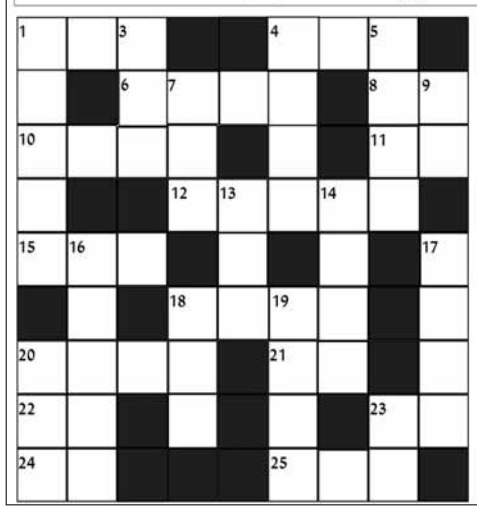

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 82 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

सू-दोकू-83

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.82 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1